भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 905

जिसका उत्तर 27 जून, 2019 को दिया जाना है।

.....

गंगा फ्रंट का विकास

905. श्री मोहनभाई कल्याणजीभाई कुंदरिया:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार पर्यटन मंत्रालय के साथ परामर्श कर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए रिवर फ्रंट विकसित करने के साथ ही गंगा नदी के पूरे हिस्से पर चिह्नित किये गए सभी स्थानों पर सभी प्रकार के अनुष्ठानों को करने के लिए विशेष निर्धारित स्थानों को विकसित कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या गंगा नदी के हस्तक्षेप के प्रति शून्य सहिष्णुता क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चिह्नित स्थानों पर जागरूकता फैलायी जा रही है और कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) पर्यटन मंत्रालय द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वाराणसी एवं उसके आस-पास गंगा नदी के किनारे तीर्थ स्थान कायाकल्प और आध्यात्मिकता संवर्धन अभियान (प्रसाद) स्कीम के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है:

1. वाराणसी में सड़क का पैदल यात्री पथ एवं फुटपाथ बनाने, मुहार विकास, घाटों पर रोशनी, घाटों पर ऑडियो सिस्टम का प्रावधान के लिए 44.60 करोड़ रूपए की धन राशि की परियोजना।
2. वाराणसी में रीवर क्रूज के विकास के लिए 10.72 करोड़ रूपए की धन परियोजना।
3. वाराणसी और सारनाथ के 3 स्मारकों की प्रकाश व्यवस्था के लिए 2.936 करोड़ रूपए की परियोजना।

इसके अतिरिक्त, लोगों को नदियों से जोड़ने तथा पर्यटन के विकास के लिए एनएमसीजी द्वारा गंगा नदी के किनारे घाटों एवं रीवर फ्रंट का विकास किया जा रहा है।

(ग) और (घ) जल शक्ति मंत्रालय (पूर्व में जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्रालय) राजपत्र अधिसूचना के द्वारा "प्रदूषण स्रोतों, दबाव को कम करने एवं इसके प्राकृतिक भूजल पुनर्भरण कार्य को बनाए रखने के लिए गंगा नदी के तट तथा इसके बाढ़ मैदान क्षे , निर्माण मुक्त क्षेत्र होंगे"। स्थानीय समुदाय को घाटों की सफाई एवं स मित्व विकसित करने हेतु जनजागरूकता कार्यक्रम जैसे श्रमदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य कार्यक्रम नियमित रूप से घाटों तथा रीवर फ्रंट पर आयोजित किए जाते हैं।

*****